### सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइंस और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगी एआई की क्षमता

# जीपीटी-6 अस्त्र से एआई की दुनिया में नई छलांग

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** ओपनएआई ने नया कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल जीपीटी-6 अस्त्र लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे दुनिया का सबसे इंटेलिजेंट एआई मॉडल बताया है। ओपनएआई के अनुसार, यह मॉडल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, विज्ञान, साइबर सुरक्षा, वित्तीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण जैसे जटिल कार्यों को संभालने में सक्षम है।

कंपनी का दावा है कि जीपीटी-6 अस्त्र रोजमर्रा के कई कामों को भी कम समय में पूरा कर सकता है। इसमें कर दाखिल करने, फॉर्म भरने, वेबसाइट बनाने, कोडिंग और गेम विकसित करने जैसे कार्य शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इसके एआई एजेंट बिना मानवीय सहायता के कई घंटे में होने वाले कामों को कुछ ही मिनटों में पूरा कर सकते हैं।

ओपनएआई के अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन ने जीपीटी-6 अस्त्र को एआई क्षमताओं में बड़ी छलांग बताया है। उन्होंने कहा कि दुनिया एजीआई यानी कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता के दौर में पहुंच चुकी है और भविष्य में इस मॉडल के लॉन्च को इस युग की शुरुआत के रूप में देखा जा सकता है।

जीपीटी-6 अस्त्र की एक खास क्षमता साइबर सुरक्षा से जुड़ी है। कंपनी के अनुसार, यह सुरक्षित प्रणालियों में मौजूद तकनीकी खामियों की पहचान कर सकता है। आंतरिक जांच के दौरान इस मॉडल ने दो अज्ञात सुरक्षा खामियों की खोज की, जिनकी जानकारी संबंधित विकासकर्ताओं को दी गई।

ओपनएआई ने इसके उन्नत सुरक्षा फीचर्स का उपयोग सीमित रखा है। कंपनी का कहना है कि इन क्षमताओं का इस्तेमाल सुरक्षा और हमले दोनों के लिए किया जा सकता है। इसलिए फिलहाल इसका उपयोग केवल भरोसेमंद साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को डेब्रेक ब्लू कार्यक्रम के माध्यम से दिया जाएगा। कंपनी के अनुसार, जीपीटी-6 अस्त्र अपार्टमेंट खोजने जैसे लंबे समय वाले कार्यों को भी कुछ मिनटों में पूरा कर सकता है। इसके अलावा वैज्ञानिक विश्लेषण और अन्य तकनीकी कार्यों में भी इसकी मदद ली जा सकेगी। जीपीटी-6 अस्त्र के जारी होने वाले दिन चैटजीपीटी, क्लाउड और ग्रोक जैसी एआई सेवाओं में तकनीकी समस्या भी सामने आई। चैटजीपीटी में लॉगिन, चैट, वॉइस मोड और फाइल अपलोड जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, इन समस्याओं के पीछे जीपीटी-6 अस्त्र के लॉन्च होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। ओपनएआई के अनुसार, आने वाले दिनों में जीपीटी-6 अस्त्र का उपयोग चैटजीपीटी प्लस, प्रो, बिजनेस और एंटरप्राइज उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही एपीआई डेवलपर्स को भी जल्द इसका एक्सेस दिया जाएगा।

### सात दिनों में घरेलू निवेशकों ने खरीदे 14,226 करोड़ रुपये के शेयर

# शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 362 अंक चढ़कर 76,515 पर बंद

**नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई:** शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी का रुख देखने को मिला। सेंसेक्स 362 अंक की बढ़त के साथ 76,515 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 24 अंकों की तेजी रही और यह 23,897 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। बाजार में धातु कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली।

एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को बढ़त का माहौल रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 108 अंक बढ़कर 6,687 पर पहुंचा। जापान का निक्केई 806 अंक की तेजी के साथ 65,021 और हांगकांग का हैंगसेंग 438 अंक बढ़कर 25,651 के स्तर पर बंद हुआ। घरेलू निवेशकों का भरोसा भी बाजार में बना हुआ है। पिछले सात दिनों में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 14,226 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से इस अवधि में 2,500 करोड़ रुपये की बिकवाली की गई। इससे पहले गुरुवार को शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। सेंसेक्स 417 अंक यानी 0.55 प्रतिशत गिरकर 76,153 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 41 अंक की गिरावट के साथ 23,873 के स्तर पर रहा था। गुरुवार को एक्सपायरी के दिन बाजार में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। दोपहर बाद सेंसेक्स में तेज गिरावट आई, जिससे विकल्प कारोबार में बड़ा बदलाव हुआ। 76,600 स्ट्राइक का कॉल विकल्प समाप्त होने के बाद 95 रुपये वाला पुट विकल्प 446 रुपये तक पहुंच गया। इस बदलाव से पुट विकल्प खरीदारों को लाभ हुआ, जबकि कॉल विकल्प विक्रेताओं को नुकसान उठाना पड़ा।

## खास-खबरें

### बाजार में आएंगी दो नई कारें, परिवारों के लिए बढ़ेंगे विकल्प

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** भारतीय वाहन बाजार में सितंबर का महीना खास रहने वाला है। इस महीने दो नई कारें बाजार में दस्तक दे सकती हैं। मारुति सुजुकी बलेनो फेसलिफ्ट और रेनो ट्राइबर टर्बो को परिवारों और बजट कार खरीदारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश करने की तैयारी की जा रही है। मारुति सुजुकी बलेनो फेसलिफ्ट को 5 सितंबर को लॉन्च किया जा सकता है। नई बलेनो के बाहरी और आंतरिक डिजाइन में बदलाव के साथ इंजन में भी सुधार देखने को मिल सकता है। इसमें 1.2 लीटर का तीन सिलेंडर जेड सीरीज पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है। यह इंजन करीब 80 बीएचपी की शक्ति और 112 एनएम का टॉर्क उत्पन्न कर सकता है।

नई बलेनो में पांच स्पीड मैनुअल और पांच स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का विकल्प दिया जा सकता है। इसके अलावा सीएनजी और एएमटी संयोजन का विकल्प भी मिलने की संभावना है। कार में वेंटिलेटेड सीट्स और उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसे फीचर्स शामिल किए जा सकते हैं। इसके बाहरी डिजाइन में नई ग्रिल, बदले हुए बंपर, नए अलॉय व्हील और नए रंग विकल्प मिलने की उम्मीद है। वहीं, रेनो ट्राइबर टर्बो को सितंबर के अंत तक बाजार में उतारा जा सकता है। कंपनी ने अभी इसकी लॉन्च तारीख की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसमें 99 बीएचपी की शक्ति और 160 एनएम टॉर्क वाला टर्बोचार्ज्ड इंजन मिलने की संभावना है। रेनो अपनी सात सीटों वाली ट्राइबर में फैक्टरी फिटेड सीएनजी विकल्प भी दे सकती है। इसमें डुअल सिलेंडर सीएनजी तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, कार के बाहरी और आंतरिक डिजाइन में बड़े बदलाव की संभावना कम है।

### एनएसई के आईपीओ को मिली हरी झंडी, सेबी ने ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एनएसई के आईपीओ के लिए हरी झंडी दे दी है। एनएसई ने 17 जून को सेबी के पास अपने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल किया था, जिस पर मार्केट रेगुलेटर ने आज ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया। एनएसई के आईपीओ को लेकर पिछले एक दशक से कोशिश चल रही थी। हालांकि, रेगुलेटरी इश्यूज के चलते एनएसई के आईपीओ को अभी तक मंजूरी नहीं मिल सकी थी। अब सेबी की ओर से ऑब्जर्वेशन लेटर जारी हो जाने के बाद एनएसई के आईपीओ का रास्ता साफ हो गया है। एनएसई के आईपीओ के लिए अगले सप्ताह 8 सितंबर को रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइलिंग हो सकती है। अगले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 11 सितंबर को इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान किया जा सकता है। इसके एक सप्ताह बाद एनएसई का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हो सकता है, जबकि इसके शेयरों की लिस्टिंग बीएसई पर 25 सितंबर को हो सकती है। हालांकि, अभी आईपीओ की लॉन्चिंग, क्लोजिंग, एलॉटमेंट और लिस्टिंग से जुड़ी तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। एनएसई इन महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा मर्चेंट बैंकर्स के साथ चर्चा करने के बाद अगले सप्ताह 7 सितंबर यानी सोमवार को कर सकता है। एनएसई का यह पब्लिक इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा। मतलब इस आईपीओ में कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। ऑफर फॉर सेल के तहत एसबीआई ग्रुप इस आईपीओ में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने वाला है। इस आईपीओ में 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। बताया जा रहा है कि शेयरों की ये संख्या एक्सचेंज के पेड-अप कैपिटल की लगभग छह प्रतिशत है। दावा किया जा रहा है कि एनएसई का ये आईपीओ अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले ह्युंडई मोटर इंडिया ने दो साल पहले 2024 में 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जो देश में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जाता है। एनएसई ने अभी अपने आईपीओ के फाइनल साइज का ऐलान नहीं किया है।

## बजाज ऑटो की बिक्री उछाल, 31 दिनों में बिकीं 5.35 लाख गाड़ियां

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** बजाज ऑटो की गाड़ियों की मांग में अगस्त 2026 के दौरान जोरदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। कंपनी ने 31 दिनों में कुल 5.35 लाख वाहनों की बिक्री दर्ज की है। बिक्री के इन आंकड़ों से कंपनी के दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन कारोबार में मजबूती दिखाई दी है। बजाज ऑटो की ओर से जारी बिक्री आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने में कंपनी के वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। ग्राहकों के बीच कंपनी की मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों की लोकप्रियता के कारण बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी की बिक्री में घरेलू बाजार के साथ-साथ निर्यात का भी योगदान रहा। बजाज ऑटो लंबे समय से दोपहिया वाहन क्षेत्र में मजबूत स्थिति बनाए हुए है। कंपनी की मोटरसाइकिलों को देश के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच बजाज ऑटो लगातार नए उत्पादों और बेहतर तकनीक के साथ अपनी स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है। कंपनी के वाहन अपनी मजबूती, प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के कारण ग्राहकों के बीच पसंद किए जाते हैं। अगस्त 2026 के बिक्री आंकड़े कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत माने जा रहे हैं। बढ़ती मांग के चलते वाहन क्षेत्र में भी सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

### 15 सितम्बर तक सत्यापन पूरा नहीं होने पर मर्चेंट खाते अस्थायी रूप से हो सकते हैं बंद

# री-केवाईसी की समयसीमा बढ़ाने की मांग, लाखों दुकानदारों के डिजिटल भुगतान पर संकट

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** ऑनलाइन भुगतान सुविधा देने वाली कंपनियों ने रिजर्व बैंक से दुकानदारों की री-केवाईसी के लिए निर्धारित 15 सितम्बर की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। कंपनियों का कहना है कि देशभर में लाखों छोटे-बड़े दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं का सत्यापन अभी पूरा नहीं हो सका है।

समयसीमा नहीं बढ़ने की स्थिति में जिन दुकानदारों की री-केवाईसी पूरी नहीं होगी, उनके मर्चेंट खाते अस्थायी रूप से बंद किए जा सकते हैं। इससे दुकानों, ठेलों और छोटे कारोबारों में यूपीआई, कार्ड और अन्य डिजिटल माध्यमों से भुगतान लेने में परेशानी हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने वाले करीब 30 से 35 प्रतिशत छोटे दुकानदार और रेहड़ी-पटरी विक्रेता प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा लगभग 10 लाख छोटे ऑनलाइन कारोबारों के

भुगतान तंत्र पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

भुगतान कंपनियों के सामने छोटे शहरों और गांवों में सत्यापन पूरा करना बड़ी चुनौती बना हुआ है। कई छोटे विक्रेताओं के पास आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं हैं। नियमों के तहत दुकानों पर जाकर भौतिक सत्यापन भी करना आवश्यक है, जिससे प्रक्रिया में अधिक समय लग रहा है।

री-केवाईसी का अर्थ दुकानदारों या ग्राहकों की पहचान, पते और अन्य आवश्यक जानकारियों का दोबारा सत्यापन और अद्यतन करना है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी, फर्जीवाड़े और अवैध लेन-देन को रोकते हुए भुगतान व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखना है।

रिजर्व बैंक ने सितम्बर 2025 में भुगतान कंपनियों के लिए इस संबंध में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए थे और प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक वर्ष का समय दिया गया था। कंपनियों का कहना है कि बड़ी संख्या में दुकानदारों का सत्यापन बाकी रहने के कारण कर्मचारियों की संख्या भी कम पड़ रही है।

भुगतान कंपनियों का अनुमान है कि 15 सितम्बर तक लगभग 80 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो सकेगी। शेष दुकानदारों के सत्यापन के लिए उन्होंने अतिरिक्त समय की मांग की है। कंपनियों को उम्मीद है कि रिजर्व बैंक व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए समयसीमा बढ़ाने पर विचार करेगा।

## 45 साल की उम्र तक बनाएं 1 करोड़ का फंड

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** 45 साल की उम्र तक एक करोड़ रुपये का फंड तैयार करने के लिए निवेश शुरू करने की उम्र सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वित्तीय योजनाकारों के अनुसार, म्यूचुअल फंड एसआईपी में जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतनी ही कम राशि हर महीने निवेश करनी पड़ती है। लंबे समय तक निवेश करने पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। यदि 12 प्रतिशत सालाना अनुमानित रिटर्न मानकर चलें तो 25 साल की उम्र में एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक 45 साल की उम्र तक एक करोड़ रुपये से अधिक का फंड तैयार कर सकता है। इसके लिए उसे हर महीने करीब 10,200 रुपये की एसआईपी करनी होगी। 20 वर्षों की अवधि में कुल निवेश 26.48 लाख रुपये होगा, जबकि अनुमानित रिटर्न 76.42 लाख रुपये रह सकता है। इस तरह कुल फंड करीब 1.02 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं, यदि निवेश की शुरुआत 30 साल की उम्र में की जाती है तो 45 साल तक पहुंचने के लिए केवल 15 साल का समय बचेगा। ऐसे में एक करोड़ रुपये के लक्ष्य के लिए मासिक एसआईपी बढ़कर करीब 20,500 रुपये करनी होगी। इस अवधि में कुल निवेश 36.90 लाख रुपये होगा और अनुमानित रिटर्न 65.51 लाख रुपये मिल सकता है। 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए केवल 10 वर्ष का समय मिलेगा। इस स्थिति में हर महीने करीब 44,000 रुपये की एसआईपी करनी होगी। 10 वर्षों में कुल निवेश 52.80 लाख रुपये होगा, जबकि अनुमानित रिटर्न 48.41 लाख रुपये रह सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेश में देरी होने पर कंपाउंडिंग के लिए समय कम हो जाता है और निवेशक को अपनी जेब से अधिक राशि लगानी पड़ती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड में निवेश बाजार के जोखिमों से जुड़ा होता है। 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न केवल अनुमान है और वास्तविक रिटर्न बाजार की स्थिति के अनुसार कम या ज्यादा हो सकता है।

## केन्या में टाटा केमिकल्स के काम पर रोक, राष्ट्रपति रुटो ने उठाए सवाल

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** केन्या में टाटा केमिकल्स के कामकाज को लेकर विवाद बढ़ गया है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने कंपनी के संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों को केवल निकालकर विदेशों में प्रसंस्करण के लिए भेजना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केन्या दूसरे देशों का गुलाम है। राष्ट्रपति रुटो ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद टाटा केमिकल्स ने केन्या में कोई नई फैक्ट्री या बड़ा विकास कार्य नहीं किया। उन्होंने बताया कि सरकार टाटा केमिकल्स मगादी के संचालन के लिए नए स्थानीय या विदेशी निवेशकों को लाने की तैयारी कर रही है। नए निवेशकों के लिए केन्या में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की शर्त रखी गई है। टाटा केमिकल्स ने इस मामले में सफाई देते हुए कहा कि कंपनी ने 11 अगस्त 2026 को केन्या सरकार को सभी आवश्यक दस्तावेज और विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट सौंप दी थी। कंपनी ने कहा कि वह सभी नियमों का पूरी तरह पालन कर रही है और केन्या सरकार के साथ बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कर्मचारियों और स्थानीय मगादी समुदाय के हितों को प्राथमिकता बताया है। टाटा केमिकल्स केन्या की लेक मगादी से कच्चा माल निकालकर सोडा ऐश का उत्पादन करती है और इसे भारत सहित दुनिया के कई देशों में निर्यात करती है। कंपनी ने वर्ष 2005 में मगादी सोडा कंपनी का अधिग्रहण किया था। यह इकाई अफ्रीका की प्रमुख सोडा ऐश निर्माता कंपनियों में शामिल है और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 3.50 लाख टन है। विवाद की खबर सामने आने के बाद टाटा केमिकल्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का शेयर तीन प्रतिशत तक गिरकर 625 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। सोडा ऐश का इस्तेमाल मुख्य रूप से कांच, साबुन, डिटर्जेंट, पानी की सफाई और कागज उद्योग में किया जाता है। यह सोडियम कार्बोनेट से बना एक सफेद और गंधहीन पाउडर होता है।

## विदेशी मुद्रा भंडार 740.80 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच जीडीपी के बाद अब विदेशी मुद्रा भंडार ने नया रिकॉर्ड बनाया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 11.47 अरब डॉलर उछलकर 740.80 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इसके एक हफ्ते पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.39 अरब डॉलर रहा था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड था। इससे पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के तत्कालीन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट और बढ़े तनाव के बीच कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक ने जून में रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली (एफसीएनआर) पहल की घोषणा की थी, जिसके बाद से भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है।

## सेल ने बनाया उत्पादन का नया रिकॉर्ड

**नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अगस्त में बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है, जबकि उत्पादन के मोर्चे पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सेल ने हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया है। 'एक्स' पर जारी बयान में बताया कि उसकी बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 13 फीसदी बढ़कर 1.87 मिलियन टन हो गई है। इस दौरान होट मेटल, क्रूड स्टील और बिकने योग्य स्टील का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर रहा है। सेल ने बताया कि अगस्त में कच्चे स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 1.68 मिलियन टन हो गया है।

## अडोबी ने खरीदा भारतीय एआई स्टार्टअप रिलो, बढ़ेगी एआई मार्केटिंग की ताकत

**नईदुनिया ब्यूरो, बेंगलुरु:** अमेरिकी तकनीकी कंपनी अडोबी ने भारतीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्टार्टअप रिलो का अधिग्रहण कर लिया है। हालांकि इस सौदे की राशि की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। यह अडोबी की भारत में दूसरी प्रमुख डील है। इससे पहले वर्ष 2023 में कंपनी ने जनरेटिव एआई वीडियो कंपनी रीफ्रेज.एआई का अधिग्रहण किया था। रिलो की शुरुआत सितंबर 2025 में आईआईटी बॉम्बे के बैचमेट्स ध्रुव जगलान और जॉर्जी बॉबी ने की थी। शुरुआत में यह ऐसा एआई टूल था, जो आम भाषा में दिए गए निर्देशों के आधार पर जटिल वर्कफ्लो तैयार करता था। यह गैर-तकनीकी उपयोगकर्ताओं को भी कई डिजिटल टूल्स पर काम करने वाले एआई एजेंट तैयार करने की सुविधा देता था। समय के साथ रिलो ने खुद को मार्केटिंग और गो-टू-मार्केट टीमों के लिए एआई कर्मचारी प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया। यह प्रतिस्पर्धी विश्लेषण, संभावित ग्राहकों की पहचान, लिंक्डइन संपर्क अभियान, रेडिट मार्केटिंग और अभियान शोध जैसे कार्यों में मदद करता है। लॉन्च के कुछ महीनों में ही रिलो के 10 हजार से अधिक उपयोगकर्ता जुड़ गए थे। अधिग्रहण के बाद रिलो के सह-संस्थापक ध्रुव जगलान ने कहा कि अडोबी के साथ जुड़कर रिलो अब बड़े वैश्विक बाजारों तक एआई पहुंचाने में मदद करेगा। इस सौदे को एआई आधारित मार्केटिंग क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एंथ्रोपिक ने मार्केटिंग के लिए क्लॉड प्लेटफॉर्म पेश किया है, जबकि अडोबी भी अप्रैल में सीएक्स एंटरप्राइज नाम से अपना एजेंटिक एआई सिस्टम लॉन्च कर चुका है। ऐसे में कंपनी ने नई तकनीक को विकसित करने के बजाय तैयार तकनीक और टीम को अपने साथ जोड़ने का फैसला किया। रिलो को पहले पीक एक्सवी, जी47/डीवीसी और डे जीरो वेंचर्स जैसे निवेशकों से करीब 945 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर फंडिंग मिल चुकी है। स्टार्टअप से जुड़े लोगों के अनुसार, यह सौदा पूरी कंपनी खरीदने के बजाय तकनीक लाइसेंसिंग और छह सदस्यीय टीम को अडोबी में शामिल करने के रूप में हुआ है।

**स्पेशल खबर** कंपनी जारी करेगी 27 करोड़ नए शेयर, कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होगा बड़ा हिस्सा

# नवरात्र या दिवाली पर आ सकता है जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ

**नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई:** रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार और प्रौद्योगिकी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम को नवरात्र या दिवाली के आसपास पेश कर सकती है। इस आईपीओ के माध्यम से करीब 37,800 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

त्योहारी सीजन के दौरान बाजार में निवेशकों का रुझान सकारात्मक रहने की संभावना को देखते हुए कंपनी इस अवधि में आईपीओ लाने पर विचार कर रही है। नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक चलेगा। वहीं, धनतेरस 6 नवंबर और दिवाली 8 नवंबर को है। यदि नवरात्र के दौरान निर्गम नहीं आता है तो इसे दिवाली के आसपास पेश किया जा सकता है।

जियो प्लेटफॉर्म्स अगले एक से दो सप्ताह में आईपीओ की तारीखों को अंतिम रूप दे सकती है। इसके बाद कंपनी विदेशी निवेशकों के लिए तीन सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय रोडशो करेगी। विदेश दौरे के बाद भारत में संस्थागत और खुदरा निवेशकों के साथ दो सप्ताह तक बैठकें और प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

कंपनी के मसौदा दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ में 27 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। यह कंपनी की आईपीओ के बाद कुल शेयर पूंजी का करीब 2.9 प्रतिशत हिस्सा होगा। यदि यह आईपीओ 37,800 करोड़ रुपये के आकार के साथ आता है तो यह भारतीय शेयर बाजार का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन जाएगा।

आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि का बड़ा हिस्सा रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के कर्ज भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी करीब 27,500 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण चुकाने या पूर्व भुगतान के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों में किया जाएगा।

जियो प्लेटफॉर्म्स में कई वैश्विक कंपनियों की हिस्सेदारी है। वर्तमान में विदेशी निवेशकों के पास कंपनी की करीब 30.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इनमें मेटा और गूगल सहित कई बड़े निवेशक शामिल हैं। इसके अलावा सऊदी अरब का पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड, सिल्वर लेक, विस्टा इक्विटी, जनरल अटलांटिक, केकेआर और आबू धाबी निवेश प्राधिकरण से जुड़े फंड भी निवेशक हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स ने आईपीओ के लिए इस वर्ष जून में सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए थे। इसके बाद 28 अगस्त को सेबी ने सार्वजनिक निर्गम को मंजूरी दे दी थी।